



Literacy for a Billion

Movie: Bandini

Year: 1963

Song: O Re Manjhi

Lyricist: Shailendra

ओ रे माँझी
ओ रे माँझी
ओ ओ ओ रे माँझी
मेरे साजन है उस पार
मैं मन मार हूँ इस पार
ओ रे माँझी
अब की बार ले चल पार
ले चल पार
ओ रे माँझी
मेरे साजन है उस पार
मैं मन मान हूँ इस पार
ओ रे माँझी
अब की बार
ले चल पार
ले चन पार
मेरे साजन है उस पार
हो मन की किताब से
तुम मेरा नाम ही मिटा देना
अवगुण तो ना था
कोई भी अवगुण मेरे भुला देना
हो मन की किताब से
तुम मेरा नाम ही मिटा देना
गुन तो ना था

कोई भी अवगुण मेरे भुला देना
मुझे आज की बिदा का
मुझे आज कि बिदा का
मर के भी रहता इंतजार
मेरे साजन है उस पार
मैं मन मान हूँ इस पार
ओ रे माँझी
अब की बार
ले चल पार
ले चल पार
मेरे साजन है उस पार
मत खेल जल जायेगी
कहती है आग मेरे मन की
मत खेल मत खेल
मत खेल जल जायेगी
कहती है आग मेरे मन की
मैं बंदिनी पिया की
मैं संगिनी हूँ साजन की
मेरा खींचती हैं आँचल
मेरा खींचती हैं आँचल
मनमीत तेरी हर पुकार
मेरे साजन है उस पार
ओ रे माँझी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.